हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन
और
आजीविका सुधार परियोजना (JICA वित्तपोषित)

संवाद पत्र

अंक 15 | अप्रैल 2025

नूरपुर के जाच्छ में आयोजित एक जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने जाइका वानिकी परियोजना के स्टाल का लोकार्पण किया।

इस अंक में...

- समीर रस्तोगी को वन विभाग के मुखिया का अतिरिक्त जिम्मा
- उप वन परिक्षेत्र अधिकारियों व लेखाकारों को पढ़ाया आयकर अधिनियम का पाठ
- आदि महोत्सव में बिखरी पारंपरिक उत्पादों की छटा
- जाइका वानिकी परियोजना ने रोपे 100 हेक्टेयर भूमि पर पौधे

मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ग्राम वन विकास समिति खारसी (मंडी) के सदस्यों से मुलाकात करते हुए।

इस तिमाही की मुख्य गतिविधियां

- 1 जनवरी 2025 : प्रदेश सरकार ने मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी को विभाग के मुखिया का अतिरिक्त जिम्मा सौंपा।
- 2 जनवरी 2025 : मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी को वन बल प्रमुख की जिम्मेवारी मिलने के बाद परियोजना मुख्यालय टुटू में उनका भव्य स्वागत किया गया।
- 2 जनवरी 2025 : एतिहासिक रिज पर आयोजित शिमला विंटर कार्निवल का समापन्न हुआ।
- 7 जनवरी 2025 : विधायक मलिंद्र राजन ने हिलटॉप दुर्गा मंदिर डमटाल में वन परिक्षेत्र इंदौरा में मार्केटिंग आउटलैट और 4 सामुदायिक हॉल का लोकार्पण किया।
- 8 जनवरी 2025 : प्रदेश सरकार के प्रधान सलाहकार मीडिया श्री नरेश चौहान ने संवाद पत्र के 14वें संस्करण का विमोचन किया।
- 9 से 11 जनवरी 2025 : मध्यावधि समीक्षा के मद्देनजर पीएमयू शिमला से प्रोग्राम मैनेजर्स और एसएमएस ने वन मंडल कुल्लू, वन मंडल पावर्ती और वाइल्ड लाइफ कुल्लू के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यों का जायजा लिया।
- 16 जनवरी 2025 : परियोजना मुख्यालय शिमला में मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिसमें विभिन्न एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई।
- 19 जनवरी 2025 : नूरपुर के जाच्छ में आयोजित एक जनसभा के दौरान वन मंडल नूरपुर के अंतर्गत आने वाले स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए उत्पाद लाए, जहां मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू भी पहुंचे।
- 23 और 24 जनवरी 2025 : हिमाचल प्रदेश वन अकादमी सुंदरनगर में 14 वन मंडलों के एफटीयू को–ऑर्डिनेटर्स के लिए प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 25 जनवरी 2025 : पूर्ण राज्यत्व दिवस के अवसर पर पालमपुर में जाइका वानिकी वरियोजना ने उत्पादों के स्टॉल लगाए।
- 12 फरवरी 2025 : जाइका इंडिया मुख्यालय नई दिल्ली में डिस्वर्समेंट पर सेमिनार का आयोजन किया, जिसमें मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी, परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नंद शर्मा और लेखा प्रबंधक श्री दिनेश शर्मा ने भाग लिया।
- 13 फरवरी 2025 : हिमाचल प्रदेश वन अकादमी सुंदरनगर में 14 वन मंडलों के लेखाकारों और उप वन परिक्षेत्र अधिकारियों के लिए आयकर अधिनियम–1961 पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 14 फरवरी 2025 : College of Horticulture and Forestry Thunag Distt Mandi में एक दिवसीय नैशनल कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें परियोजना के जैव विविधता विशेषज्ञ डा. एसके काप्टा ऑन लाइन जुड़े। उन्होंने Forestry, Ecology and Environment पर व्याख्यान दिया।
- 15 फरवरी 2025 : वन मंडल बिलासपुर के झंडूता वन परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम वन विकास समिति प्रकृति, ग्राम पंचायत मलांलन, स्वयं सहायता समूह प्रेरणा और गूंज के सदस्यों को अग्नि सुरक्षा पर जागरुक करवाया गया।
- 16 से 24 फरवरी 2025 : जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली में आदि महोत्सव का आयोजन किया गया।
- 18 फरवरी 2025 : परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नंद ने हिमाचल प्रदेश मिल्क फैडरेशन के प्रबंधन निदेशक डा. विकास सूद से मुलाकात की तथा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की।
- 18 से 22 फरवरी 2025 : जाइका नेपाल की 11 सदस्यीय टीम परियोजना के उत्कृष्ट कार्य देखने हिमाचल पहुंची।
- 18 फरवरी 2025 : वन परिक्षेत्र ज्वाली के अंतर्गत भोल खास में सामुदायिक भवन जनता को समर्पित किया।
- 18 फरवरी 2025 : वन बल प्रमुख एवं मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ने जाइका इंडिया के Chief of Development Operations श्री विनीत सरीन और Project Formulation Adviser युकारी इनागाकी के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विडिया कांफ्रेंस की।
- 28 फरवरी 2025 को वन बल प्रमुख एवं मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ने पीएमयू शिमला में समीक्षा बैठक की। उन्होंने परियोजना के अंतर्गत हो रहे कार्यों की प्रगति पर फीडबैक भी लिया।
- 2 मार्च 2025 : मंडी शिवरात्री के अवसर पर पड्डल मैदान में जाइका वानिकी परियोजना के अंतर्गत विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री हुई।
- 3 मार्च 2025 : हिमाचल प्रदेश वन अकादमी सुंदरनगर में डीएमयू मंडी, सुकेत और नाचन के विषय वस्तु विशेषज्ञ और क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयकों के साथ दुग्ध उत्पादन से संबंधित विषय पर बैठक हुई।
- 5 मार्च 2025 : परियोजना से संबंधित विषयों पर आधारित वन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से परियोजना प्रबंधन इकाई के अधिकारियों ने अपनी प्रस्तुति दी।
- 13 मार्च 2025 : रोहडू वन मंडल के अंतर्गत चिड़गांव में अग्नि सुरक्षा पर प्रशिक्षण दिया गया।
- 17 मार्च 2025 : बिलासपुर में आयोजित नलवाड़ी मेले के दौरान विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की बिक्री के लिए स्टॉल लगाए गए।
- 26 मार्च 2025 : सभी वन मंडलों के विषय वस्तु विशेषज्ञों और सेवानिवृत हिमाचल प्रदेश वन सेवा अधिकारियों के साथ वित्त वर्ष 2025–26 के बजट पर वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से विस्तृत चर्चा की गई।
- 28 मार्च 2025 : परियोजना प्रबंधन इकाई शिमला में एचसीएलपीसीएल कंपनी की निदेशक मंडल की चौथी बैठक आयोजित की गई।

समीर रस्तोगी को वन विभाग के मुखिया का अतिरिक्त जिम्मा

नव वर्ष 2025 का पहला दिन जाइका वानिकी परियोजना के लिए खुशियों भरा रहा। 1988 बैच के भारतीय वन सेवा अधिकारी, पीसीसीएफ एवं जाइका वानिकी परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी को प्रदेश सरकार ने वन विभाग के मुखिया का अतिरिक्त कार्यभार सौंप दिया। परियोजना प्रबंधन इकाई शिमला के स्टाफ ने श्री समीर रस्तोगी का जाइका वानिकी परियोजना के मुख्य कार्यालय टुटू में भव्य स्वागत किया। गौरतलब है कि श्री समीर रस्तोगी 1988 से 2019 तक हिमाचल प्रदेश वन विभाग में विभिन्न पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। इस दौरान वह डीएफओ, सीसीएफ और अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल, मिड हिमालयन परियोजना में क्षेत्रीय परियोजना निदेशक बिलासपुर व वन विकास निगम में उत्कृष्ठ पद पर सेवारत थे। उन्होंने फरवरी 2019 से फरवरी 2024 तक केंद्र सरकार की सार्वजनिक उपक्रम राष्ट्रीय कैमिकल्स एंड फर्टीलाइजर लि. मुम्बई में चीफ विजिलेंस ऑफिसर के पद पर सेवाएं दीं। श्री समीर रस्तोगी गत 6 अप्रैल 2024 से जाइका वानिकी परियोजना में मुख्य परियोजना निदेशक के पद पर सेवाएं दे रहे हैं।

वानिकी परियोजना से जुड़कर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग कर रहे आजीविका में सुधार: नरेश चौहान

प्रदेश सरकार के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग जाइका वानिकी परियोजना से जुड़कर आजीविका में सुधार कर रहे हैं। यह बात उन्होंने गत 8 जनवरी 2025 को जाइका वानिकी परियोजना के संवाद पत्र के 14वें संस्करण का विमोचन कार्यक्रम अवसर पर कही। जाइका मुख्यालय शिमला में आयोजित एक कार्यक्रम के अवसर पर उन्होंने हिंदी संस्करण परियोजना संवाद पत्र और अंग्रेजी संस्करण न्यूज लैटर का विधिवत शुभारंभ किया। जाइका मुख्यालय पहुंचने पर परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक एवं वन विभाग के मुखिया समीर रस्तोगी, परियोजना निदेशक श्रेष्ठा नन्द शर्मा और जैव विविधता विशेषज्ञ डा. एसके काप्टा ने नरेश चौहान का भव्य स्वागत किया। गौरतलब है कि परियोजना के इस संवाद पत्र में गत तीन महीने के दौरान सफलतापूर्वक हुई गतिविधियों के बारे जिक्र किया गया है। जिसमें फिल्ड स्तर पर सेवाएं दे रहे विषय वस्तु विशेषज्ञ, क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक और वन विभाग के अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संवाद पत्र के सफल प्रकाशन के लिए नरेश चौहान ने जाइका वानिकी परियोजना की पूरी टीम की खूब सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग इस परियोजना से जुड़कर आजीविका में सुधार कर रहे हैं। इसके साथ–साथ प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को भी परियोजना में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच कीमती समय निकाल कर यहां पहुंचने पर परियोजना प्रबंधन इकाई के समस्त स्टाफ ने नरेश चौहान का आभार व्यक्त किया।

उप वन परिक्षेत्र अधिकारियों व लेखाकारों को पढ़ाया आयकर अधिनियम का पाठ

- आयकर विभाग के अधिकारियों ने महत्वपूर्ण बिंदुओं पर दिए बेहतरीन टिप्स
- 13 फरवरी 2025 को हिमाचल प्रदेश वन अकादमी सुंदरनगर में आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला

■ **आरपी नेगी,** मीडिया स्पेशलिस्ट

आयकर विभाग भारत सरकार के अधिकारियों ने जाइका वानिकी परियोजना और वन विभाग के अधिकारियों को आयकर अधिनियम–1961 का पाठ पढ़ाया। गत 13 फरवरी 2025 को हिमाचल प्रदेश वन अकादमी सुंदरनगर में वन वृत्त मंडी, कुल्लू, धर्मशाला, हमीरपुर, वाइल्ड लाइफ शिमला और ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के लेखाकारों और उप वन परिक्षेत्र अधिकारियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें आयकर अधिनियम–1961 के तहत टीडीएस और टीसीएस के बारे विस्तृत जानकारी दी। जिला मंडी के आयकर अधिकारी श्री अमरजीत शर्मा और श्री राजेंद्र सिंह ने टीडीएस और टीसीएस से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा निरीक्षक श्री संदीप रेहलान, श्रीमती सुनीता ठाकुर और श्री आदित्य शुक्ला ने सभी प्रतिभागियों को आयकर अधिनियम–1961 की सभी बिंदुओं पर बेहतरीन टिप्स दिए। कार्यशाला का शुभारंभ अकादमी के उप निदेशक श्री देवेंद्र सिंह डोगरा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। परियोजना प्रबंधन इकाई शिमला के अधिक्षक श्री पवन बरार ने यहां पहुंचे प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रोग्राम मैनेजर ऑडिट एंड फाइनांस श्री अरविंद वर्मा और लेखाकार नरेंद्र कंवर भी उपस्थित रहे।

आदि महोत्सव में बिखरी पारंपरिक उत्पादों की छटा

-स्पीति का छरमा बना आकर्षण का प्रमुख केंद्र, हुई खूब बिक्री

जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा 16 से 24 फरवरी, 2025 तक मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली में आदि महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में जाइका वानिकी परियोजना के स्टाल लगाए गए। वाइल्ड लाइफ स्पीति की टीम जिसमें एफटीयू को–ऑर्डिनेटर काजा श्रीमति मिनाक्षी बोद्ध और एफटीयू को–ऑर्डिनेटर ताबो श्रीमति छोडन बोद्ध ने आदि महोत्सव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जाइका वानिकी परियोजना के स्टाल में उपलब्ध छरमा यानी सीबक थॉर्न के उत्पाद और उन के गर्म वस्त्रों की खूब बिक्री हुई। आदि महोत्सव के दौरान देश के कई राज्यों के जनजातीय समुदायों के उत्पाद बिक्री एवं प्रदर्शनी के लिए लाए गए, जिसमें हिमाचल प्रदेश जाइका वानिकी परियोजना भी प्राकृतिक एवं रसासय मुक्त उत्पादों के साथ यहां पहुंची। मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ने वन्य प्राणी मंडल स्पीति की टीम की सराहना की।

आशुतोष पाठक
विषय वस्तु विषेशज्ञ, वन्य प्राणी मंडल स्पीति

जाइका परियोजना ने हमें बनाया आत्मनिर्भर: पिंगला

नव ज्योति स्वयं सहायता समूह कायना की सचिव श्रीमति पिंगला ने कहा कि जाइका वानिकी परियोजना से जुड़कर आज प्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भरता बन रही हैं। उन्होंने कहा कि नव ज्योति स्वयं सहायता समूह का गठन 5 जून 2022 को हुआ था। जाइका वानिकी परियोजना ने ग्रुप के सदस्यों को बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया और आधुनिक तरीके से बैग तैयार किए जा रहे हैं। लोगों की मांग पर आज बाजार से सस्ते दाम पर बैग बेच रहे हैं। जिसकी अच्छी कीमत भी मिल रही है। श्रीमति पिंगला ने कहा कि इस परियोजना ने हिमाचल प्रदेश में आजीविका सुधार का नया दौर शुरू किया। जाइका वानिकी परियोजना से हमें सशक्त बनने का मौका मिला। उन्होंने जाइका वानिकी परियोजना और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

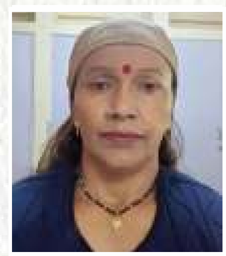

पिंगला
सचिव नव ज्योति
स्वयं सहायता समूह कायना

परियोजना में ग्रामीणों को आय कमाने का मिला अवसर: नैनतारा

नैनतारा
वन रक्षक वन परिक्षेत्र जुब्बल

वन मंडल रोहड़ू के वन परिक्षेत्र जुब्बल में वन रक्षक की सेवाएं दे रहे नैनतारा ने कहा कि जब से प्रदेश में जाइका वानिकी परियोजना शुरू हुई तब से ग्रामीणों को आय कमाने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि रोहड़ू वन मंडल में यह परियोजना वर्ष 2018–19 में शुरू हुई। वन परिक्षेत्र जुब्बल के अंतर्गत गठित ग्राम वन विकास समितियां परियोजना के माध्यम से क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही हैं। नैनतारा ने कहा कि वानिकी परियोजना से जुड़े स्वयं सहायता समूहों ने आज खुद को आत्मनिर्भर बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। स्वयं सहायता समूहों में महिलाओं की भागिदारी से बेहतरीन कार्य हो रहे हैं। क्षेत्र में पौधरोपण की बात करें तो विभागीय और जन सहभागिता के जरिए बेहतर कार्य हो रहे हैं। आने वाले समय में भी लोगों की आजीविका में सुधार करने के लिए जाइका वानिकी परियोजना बेहतर कार्य करती रहेगी।

मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना: जाइका वानिकी परियोजना ने रोपे 100 हेक्टेयर भूमि पर पौधे

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 25 जुलाई 2023 को एक महत्वाकांक्षी नई योजना आरंभ की। इस योजना का नाम है "मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना"। इसका मुख्य उद्देश्य है प्रदेश में हरियाली को और अधिक बढ़ावा देना और पर्यावरण की सुरक्षा करना है। यह योजना हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन को रोकने के लिए शुरू की गई है। इससे भूमि के संरक्षण और पहाड़ के ढलान की मिट्टी और पत्थरों को खिसकने से रोका जाएगा। इस योजना को सफलतापूर्वक चलाने के लिए जाइका वानिकी परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रदेश सरकार की इस प्रमुख योजना के लक्ष्य को पूरा करने के लिए जाइका वानिकी परियोजना ने वित्त वर्ष 2024–25 में 100 हेक्टेयर वन भूमि पर पौधरोपण किया। प्रदेश में हरित आवरण बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना पर जाइका वानिकी परियोजना एक बेहतरीन कार्य कर रही है। वर्ष 2030 तक हिमाचल प्रदेश का हरित आवरण 30 प्रतिशत बढ़ाने के लिए यह परियोजना अहम भूमिका निभा रही है। वन मंडल मंडी के अंतर्गत वन परिक्षेत्र कटौला और वन परिक्षेत्र द्रंग में 5–5 हेक्टेयर भूमि पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। कुल मिलाकर मंडी वन मंडल में 11 हजार पौधे रोपे गए। वन मंडल नाचन के अंतर्गत वन परिक्षेत्र नाचन में 10 हेक्टेयर भूमि पर 5 हजार पौधे रोपे गए। पौधे के रखरखाव और संरक्षण के लिए तार बाड का उचित प्रबंध किया गया। वन मंडल आनी के अंतर्गत वन परिक्षेत्र निथ्थर में 15 हेक्टेयर भूमि पर 16 हजार 5 सौ पौधे रोपे गए। इस क्षेत्र में पौधों की सिंचाई के लिए वाटर स्टोरेज टैंक भी बनाया गया। वन मंडल बंजार के अंतर्गत वन परिक्षेत्र सैंज में 15 हेक्टेयर भूमि पर विभिन्न प्रजातियों के 15 हजार 5 सौ पौधे रोपे गए। इस क्षेत्र में पौधे के संरक्षण को बनाए रखने के लिए मृदा और जल संरक्षण के कार्य भी किए गए हैं। वन मंडन रोहड़ू के अंतर्गत वन परिक्षेत्र डोडरा–क्वार में 15 हेक्टेयर भूमि पर जन सहभागिता से 12 हजार पौधे और सरस्वती नगर में विभागीय स्तर पर 10 हेक्टयेर भूमि पर विभिन्न प्रजातियों के 4 हजार 5 सौ पौधे रोपे गए। वन मंडल कुल्लू के अंतर्गत वन परिक्षेत्र मनाली के दायरे में 20 हेक्टेयर भूमि पर 23 हजार 4 सौ 50 पौधे रोपे गए। जिसमें जंगली फलदार पौधे भी प्रमुखता से रोपे गए। वन मंडल रामपुर के अंतर्गत वन परिक्षेत्र सराहन में जन सहभागिता से 5 हेक्टेयर भूमि पर भिन्न–भिन्न प्रजातियों के 55 सौ पौधे रोपे गए।

डा. कौशल्या कपूर
(कार्यक्रम प्रबंधक) वानिकी एवं जैव विविधता

एफटीयू को-ऑर्डिनेटर्स की डिजिटल पाठशाला

केएफडब्ल्यू के 5 प्रतिनिधियों ने भी लिया भाग

हिमाचल प्रदेश प्रदेश वन अकादमी सुंदरनगर में 23 और 24 जनवरी 2025 को 14 वन मंडलों के एफटीयू को–ऑर्डिनेटर्स के लिए प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें केएफडब्ल्यू प्रोजेक्ट डीपीएमयू देहरा के 5 प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। कार्यशाला का आगाज अकादमी के संयुक्त निदेशक श्री तिलक राज शर्मा और श्री सुभाष पराशर ने दीप प्रज्जवलित कर किया। पहले दिन Subject Matter Specialist GIS/MIS श्रीमति दिशा गौतम ने परियोजना की गतिविधियों को पोर्टल पर अपलोड करने की सभी तकनीकों के बारे में बारीकी से अवगत करवाया। उसके बाद सभी एफटीयू कॉ–ऑर्डिनेटर्स को Field Exercise के लिए भेजा गया और लैब में आकर उस गतिविधि को कम्प्यूटर पर अपलोड करवाया। Media Specialist श्री आरपी नेगी ने फोटो से शॉर्ट मूवी मेकिंग की तकनीक, स्क्रिप राइटिंग, वॉइस ओवर का पाठ पढ़ाया। उन्होंने केएफडब्ल्यू परियोजना के प्रतिनिधियों को फोटोग्राफी और शॉर्ट मूवी मेकिंग के बारे अलग से विस्तृत जानकारी दी। इस बीच परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नन्द भी पहुंचे और यहां उपस्थित सभी एफटीयू कॉ–ऑर्डिनेटर्स को कढ़ी मेहनत और लग्न के साथ कार्य करने की क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए। कार्यशाला के अंतिम दिन पाइन निडल प्रोडक्ट्स पर आधारित शॉर्ट मूवी तैयार करने के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें मंडी वृत ने बाजी मारी और प्रथम स्थान हासिल किया। इस दौरान प्रोग्राम मैनेजर रीना शर्मा ने यहां उपस्थित एफटीयू कॉ–ऑर्डिनेटर्स रिकॉर्ड कीपिंग के बारे विस्तृत जानकारी दी।

अंतरराष्ट्रीय शिवरात्री मेले में प्राकृतिक व पारंपरिक उत्पादों का स्वाद

ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय मंडी शिवरात्री मेले 2025 में भी प्राकृतिक एवं पारंपरिक उत्पादों का स्वाद बरकरार रहा। जाइका वानिकी परियोजना से जुड़े स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए रसायन मुक्त उत्पादों की बिक्री और प्रदर्शनी के लिए पड्डल मैदान में स्टॉल लगाए जो आकर्षण का मुख्य केंद्र बना। स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार पाइन नीडल प्रोडक्ट्स, पत्तल की प्लेटें, सीरा, बडी, आचार, चटनी, शहद, केचुआ खाद और गर्म वस्त्रों की खूब बिक्री हुई। प्रदेश के भिन्न–भिन्न क्षेत्रों से मेले का लुत्फ उठाने पहुंचे लोगों ने जाइका वानिकी परियोजना के स्टॉल पर उपलब्ध उत्पादों की जमकर खरीददारी की। मेले के दौरान वन बल प्रमुख एवं परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी पहुंचे और स्वयं सहायता समूहों की मेहनतकश महिलाओं की खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वानिकी परियोजना से जुड़ी महिलाएं सशक्त और आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। जिससे उनकी आर्थिकी भी मजबूत हो रही हैं। इस अवसर पर परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नन्द शर्मा, मुख्य अरण्य पाल वन वृत्त मंडी श्री मृत्युंजय माधव, मुख्य अरण्य पाल कुल्लू, श्री संदीप शर्मा, वन मंडलाधिकारी सुकेत, श्री राकेश कटोच, वन मंडलाधिकारी मुख्यालय मंडी, श्री अमरीश शर्मा, वन मंडलाधिकारी जोगिंद्रनगर, श्री कमल भारती, वन मंडलाधिकारी मंडी, श्री वासु डोगर, एसीएफ सुकेत, श्री मुनीष रांगड़ा, सेवानिवृत हिमाचल प्रदेश वन सेवा अधिकारी, श्री वेद प्रकाश पठानिया समेत वन विभाग और वानिकी परियोजना के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जितेन शर्मा
विषय वस्तु विशेषज्ञ, मंडी

चौपाल के थिथरौली में ग्राम वन विकास समिति का गठन, भाग चंद बने प्रधान

वन मंडल चौपाल के थिथरौली में 4 मार्च 2025 को ग्राम वन विकास समिति का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से भाग चंद को प्रधान नियुक्त किया गया। जबकि कृष्ण दत्त भार्मा को उपाध्यक्ष, रूप दास को सचिव और परमिला को संयुक्त सचिव का जिम्मा सौंपा गया। बलबीर सिंह और रोहिणी को वार्ड फेसिलिटेटर चुना गया। इसके अलावा राकेश, चांद राम, पूर्ण चंद, मोही राम, ग्यारू राम, भयाम सिंह, नागेंद्रा देवी, ममता देवी और गुमी देवी को सदस्य नियुक्त किया गया। ग्राम वन विकास समिति के प्रधान भाग चंद ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को जाइका वानिकी परियोजना से जुड़ने का मौका मिला है, जो आने वाले समय में आत्मनिर्भर बनेंगे। उन्होंने कहा कि परियोजना के माध्यम से सामुदायिक विकास किए जाएंगे। भाग चंद ने मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी, परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नन्द शर्मा, वन मंडलाधिकारी चौपाल, श्री जंगवीर दुल्टा समेत वानिकी परियोजना के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

अरुण वर्मा
विषय वस्तु विशेषज्ञ, चौपाल

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस: कुल्लू में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं हुई सम्मानित

जाइका वानिकी परियोजना द्वारा वन परिक्षेत्र भुट्टी और कुल्लू की स्वयं सहायता समूहों के साथ भव्य आयोजन

वन मंडल कुल्लू में जाइका वानिकी परियोजना द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सम्मानित किया। आठ मार्च 2025 को वन परिक्षेत्र भुट्टी और कुल्लू की स्वयं सहायता समूहों के साथ एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वन मंडलाधिकारी कुल्लू श्री एंजल चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान श्री चौहान ने भुट्टी और कुल्लू की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को प्रशंसा पत्र भेंट किए। वन मंडलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के दस्तावेजों के उचित रख-रखाव, गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण तथा वित्तीय स्थिति को सशक्त बनाने के प्रयासों की सराहना की। समूहों की महिलाओं ने उन्हें सम्मानित करने के लिए जाइका वानिकी परियोजना का आभार व्यक्त किया। महिलाओं का कना था कि उन्हें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर सम्मानित किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शैक्षणिक भ्रमणों के आयोजन की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

वन परिक्षेत्र भुट्टी से सम्मानित स्वयं सहायता समूह:

- लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह बड़ाग्रां।
- जय माँ लोहडी, अच्छरी स्वयं सहायता समूह टंडारी।
- अंबिका स्वयं सहायता समूह खनिपांद।
- जय माँ भागा सिद्ध, सुम्मा।
- जय बाबा वीरनाथ एवं प्रेरणा स्वयं सहायता समूह डुग्गीलग।

वन परिक्षेत्र कुल्लू से सम्मानित सम्मूम:

- जमदग्नि ऋषि एवं नारायण स्वयं सहायता समूह बाराहार।
- काली नारायण स्वयं सहायता समूह लोट पध्धर।
- माता रानी स्वयं सहायता समूह परली सेरी।

जाइका वानिकी परियोजना ने महिलाओं को दिखाई आत्मनिर्भर बनने की राह

जाइका वानिकी परियोजना प्रदेश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए आत्मनिर्भरता की राह दिखाई है। परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के 22 वन मंडलों में 920 स्वयं सहायता समूह हैं, जिनमें से 756 स्वयं सहायता समूह महिलाओं के हैं। वर्ष 2018 में हिमाचल प्रदेश में जापान इंटर नेशनल को-ऑपरेशन एजेंसी के तहत जाइका वानिकी परियोजना शुरू हुई। आज हिमाचल प्रदेश की हजारों महिलाएं इस परियोजना से जुड़ कर अपनी आजीविका में सुधार के साथ-साथ आर्थिकी को मजबूत कर रही हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए जाइका वानिकी परियोजना उन्हें प्रशिक्षण देती है।

बना रहीं पाइन नीडल प्रोडक्ट्स

शिमला के समीप घणाहट्टी में महिलाओं का राधे-कृष्णा स्वयं सहायता समूह पाइन नीडल प्रोडक्ट्स पर कार्य कर रही है। ये महिलाएं जनवरी 2021 से पाइन नीडल प्रोडक्ट्स तैयार कर ओपन मार्केट को टक्कर भी दे रही हैं। साथ ही साथ अपनी आर्थिकी में भी बेहतरीन सुधार कर रही हैं। अब तक इन महिलाओं ने 4 लाख से अधिक की सेल कर दी है।

रसायन मुक्त मशरूम की खेती

[illegible] स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मशरूम की कल्टीवेशन पर काम कर रही हैं। रसायन मुक्त मशरूम की खेती कर अब यहां की महिलाएं खुद का आत्मनिर्भर बनाने में सफल साबित हुई हैं। इस स्वयं सहायता समूह की महिलाएं 7 जून 2022 से इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। ये महिलाएं हर साल एक लाख से अधिक के मशरूम की सेल करती हैं।

हैंडलूम के काम से हो रही कमाई

वन मंडल पार्वती के तहत वन परिक्षेत्र जरी में सरस्वति स्वयं सहायता समूह की महिलाएं हैंडलूम का काम कर हैं। इससे अच्छी खासी कमाई हो रही है। कुल्लू शॉल, टोपी, हाफ जैकेट, स्टाल समेत अन्य परिधान तैयार कर अपनी आजीविका में बेहतरीन सुधार कर रही हैं।

प्रेमला ठाकुर
क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक
वन परिक्षेत्र कुल्लू

मीडिया में जाइका वानिकी परियोजना

बाजार से सस्ते और रसायन मुक्त उत्पादों की हो रही...

शिमला: हिल्जक्वीन शिमला में आयोजित 10 दिवसीय... कार्निवाल में जाइका वानिकी परियोजना के... प्रोडक्ट्स पर्यटकों की पहली पसंद बन गई। ... जाइका वानिकी परियोजना के लगे दो स्टॉल ... सस्ते और रसायन मुक्त उत्पादों की खूब बिक्री ... परियोजना से जुड़े दो स्वयं सहायता समूहों ... बिक्री के लिए लाए गए हैं। ...

ग्रामीण आजीविका में जाइका की अहम भूमिका : चौहान

जाइका के मुख्य कार्यालय के संवाद ...

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकीय तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए हिमाचल में शुरू की गई जाइका यानी जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी से जुड़कर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग आजीविका में सुधार कर रहे हैं। यह बात मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया नरेश ...

युवाओं ... से अधिक ... देने ...

विभिन्न ... प्रस्तुत किया। ... पत्र में गत तीन ... दौरान सफल... गतिविधियों का ... है। उन्होंने कहा ... प्रकाशन के लिए ... सेवाएं दे रहे ... क्षेत्रीय तकनीकी ... और वन विभाग के ... महत्वपूर्ण भूमिका नि... इससे पूर्व नरेश ... जना के हिंदी सं... पत्र के 14वें ... अंग्रेजी संस्करण ... विमोचन ... उन्होंने ...

ग्रामीण लोगों की आजीविका में जाईका की महत्वपूर्ण भूमिका : नरेश चौहान

आज समाज नेटवर्क

उत्कृष्ट कार्य देखने हिमाचल पहुंची जाइका नेपाल की 11 सदस्यीय टीम, पहले दिन शिमला के समीपवर्ती क्षेत्रों का किया दौरा

शिमला। जाइका वानिकी परियोजना के अंतर्गत हो रहे उत्कृष्ट कार्यों का मुआयना करने के लिए जाइका नेपाल की 11 सदस्यीय टीम 4 दिवसीय ... दौरे पर पहुंची गई है। बुधवार को टीम के सदस्य परियोजना प्रबंधन ... मुख्य परियोजना निदेशक एवं वन बल प्रमुख समीर ... परियोजना निदेशक श्रेष्ठनंद शर्मा ने प्रतिनिधियों को हिमाचली टोपी ... जाइका नेपाल की टीम को ...

समीर रस्तोगी को वन विभाग के मुखिया का अतिरिक्त जिम्मा

SHARE

CHANDRIKA - 1 MIN READ

UPDATED 2025/01/01 AT 5:27 PM

मुख्यमंत्री ने जारी किया जाइका वानिकी परियोजना का कैलेंडर

जाइका का कलेंडर जारी करते मुख्यमंत्री।

सवेरा ब्यूरो, शिमला, 23 दिसंबर : मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां जाइका वानिकी परियोजना का 2025 का वार्षिक कैलेंडर जारी किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वन कमलेश कुमार पंत, वानिकी परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक समीर रस्तोगी, परियोजना निदेशक श्रेष्ठ नन्द शर्मा समेत वन विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

www.jagran.com

समीर रस्तोगी वन विभाग के नए मुखिया

समीर रस्तोगी • जागरण

हिमाचल सरकार ने सौंपा अतिरिक्त कार्यभार, 1988 बैच के आइएफएस अधिकारी हैं समीर रस्तोगी

179 एचएससी पदोन्नत एचएएसआइ बने

कौन हैं रस्तोगी

वन मंडल कुल्लू में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपना विचार व्यक्त करती स्वयं सहायता समूह की महिला।

इंदौरा में मार्केटिंग आउटलैट और सामुदायिक हॉल का लोकार्पण करते इंदौरा के विधायक श्री मलेंद्र राजन।

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

मुख्य परियोजना निदेशक
जाइका वानिकी परियोजना

नजदीक मिल्कफैड निगम, टुटू, शिमला-11 हिमाचल प्रदेश
दूरभाष: 0177-2837217/2837317/2838217
email: cpdjica2018hpfd@gmail.com | https://jicahpforestryproject.com

अतिरिक्त परियोजना निदेशक, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन इकाई

जाइका वानिकी परियोजना, कुल्लू। दूरभाष: 1902 -226636
ई0 मेल:. pdjicakullu@gmail.com